THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI VASUNDHARA RAJE): (a) to (d) India's nuclear programmes are covered by the Atomic Energy Act, 1962, as well as by our various policy pronouncements from time to time and executive orders issued by the Prime Minister.

The recent neelear tests, as has been explained in the official statements made in Parliament, were intended to respond to our deteriorating security environment and were conducted in the supreme national interest.

हाइड्रोजन बम विस्फोट के बारे में संदेह

1274. **श्री जनेवर मिश्र** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि**:**

(क)क्या यह सच है कि पोक्षरण में हुए हाइड्रोजन बम विस्फोट के बारे में कुछ स्वदेशी तथा कुछ विदेशी वैज्ञानिकों द्वारा उठायें गयें सवालों तथा इसकी सफलता के बारे मे उनके द्वारा प्रकट किये गये संदेहों का कोई संतोषजनक उत्तर सरकार नहीं दे पाई हैं;

(ख)क्या यह भी सच है कि वैज्ञानिकों क्षेत्रों में यह अब भी कहा जा रहा है कि भारत का हाइड्रोजन बम परीक्षण सफल नहीं रहा है; और

(ग)यदि हां, तो सरकार द्वारा संबंध में क्या कदम उठाए जा रहे हैं?।

विदेश मंत्रालय मे राज्य मंत्री (**श्रीमती वसुन्धरा राजे**) : (क) जी, नहीं।

(ख) और (ग) विदेश समाचार-पत्रों में प्रकाशित अवसिरिक रिपोटों में 11 मई, 1998 को परीक्षित युक्तियों के कुल उत्पाद का वास्तविकता ससे कम मूल्यांकन किया गया और परिणाम स्वरूप यह शंका जाहिर की गई कि क्या भारत द्वारा हाइड्रोजन बम का परीक्षण सफलतापूर्वक किया गया हैं।। परमाणु ऊर्जा विभाग ने कुछ विदेशी वैज्ञानिकों द्वारा हाइड्रोजन बम का परीक्षण सफलतापूर्वक किया गया हैं। परमाणु ऊर्जा विभाग ने कुछ विदेशी वैज्ञानिकों द्वारा व्यक्त इन शंकाओं का खंडन करने के लिए पर्याप्त वैज्ञानिकों प्रमाण इक्ट्ठे कर लिएए हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि अन्य विदेशी वैज्ञानिकों द्वारा प्रकाशित ऐसे अन्य वैज्ञानिक प्रकाशन भी हैं, जिनमें 11 मई के परीक्षणों के बारे मे हमारे द्वारा सूचित कुल उत्पाद की पुष्टि की गई हैं। हाल ही के वैज्ञानिक शोध-पत्रों में, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बी ए आर सी) के वैज्ञानिकों ने कई भिन्न –भिन्न पद्धतियों को काम मे लाकर विस्तृत विश्लेषण दिए हैं जिनमे निर्णायक रूप से यह बताया गया हैं। कि 11 मई को पोखरण में किएए गए विस्फोंटों का कुल उत्पाद लगभग 60 किलोटन हैं, जोकि परीक्षणों के तुरन्त बाद हमारे द्वारा घोषित विभिन्न युक्तियों के उत्पादों के अनुरूप हैं 11 मई को किए गएए परीक्षणों में, 15 किलोटन की एक विखण्डन युक्ति, 45 किलोटन की एक तापनाभिकीय युक्ति (हाइड्रोजन बम) और एक सब-किलोटन यु क्ति (एक किलोटन से कम) शामिल थी। दो और उप-किलोटन युक्तियों का परीक्षण 13 मई को किया गया 11 तथा 13 मई को जिन पांच युक्तियों का परीक्षणा किया गया था, वे सभी भौतिकी पदार्थ-विज्ञान, आत्मयांत्रिकी तथा इलैक्ट्रॉनिकी के क्षेत्र में उपलब्ध वर्तमान ज्ञान पर आधारित थीं।

Exploitation of Beach Sand Minerals

1275. SHRI J. CHITHARANJAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government are considering a proposal for adoption of a comprehensive policy seeking to promote and expand opportunities for value added exploitation of various beach sand minerals in the country; and

(b) if so, the details thereof and at what stage the proposal is?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI VASUNDHARA RAJE): (a) and (b) Policy on Exploitation of Beach Sand Minerals in the country has been notified under Government of India (Department of Atomic Energy) Resolution No. 8/l(i)/97-PSU/1422 dated 06 October 1998. The salient features of the policy are summarised in the enclosed statement.

Statement

Summary Note on the Policy for Exploitation of Beach Sand Minerals 1 .India has large reserves of beach sand minerals in the coastal stretches around the country. Ilmenite is the largest constituent of the Indian beach sand deposits, others being rutile.